निष्पक्ष-पारदर्शी काउंटिंग पर घमासान

- ममता बनर्जी 4 घंटे तक भवानीपुर में रहीं
- 15 बूथों पर पुनर्मतदान का प्रस्ताव

कोलकाता, 1 मई. गुरुवार देर रात ममता बनर्जी काउंटिंग सेंटर पर पहुंची थीं. उन्होंने आरोप लगाया था कि मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है और कई स्तरों पर गड़बड़ियां हो सकती हैं. ममता करीब चार घंटे तक केंद्र पर मौजूद रहीं और अधिकारियों से लगातार जानकारी लेती रहीं.

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी काउंटिंग बेहद जरूरी है. विशेष रूप से ममता ने पोस्टल बैलेट की छंटनी प्रक्रिया पर सवाल उठाए और कहा कि इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है. हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी प्रक्रियाएं चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही की जा रही हैं और पोस्टल बैलेट की गिनती पूरी सावधानी के साथ की जा रही है. इसी बीच भाजपा नेता दिलीप घोष ने ममता बनर्जी के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ममता जनता का ध्यान भटकाने के लिए नाटक कर रही हैं. घोष ने दावा किया कि जब भी चुनावी प्रक्रिया में पार्टी कमजोर पड़ती है, तब ऐसे आरोप लगाए जाते हैं. काउंटिंग सेंटर के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और सीआरपीएफ के जवान तैनात रहे, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके. पुलिस और केंद्रीय बलों ने भी पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा.

कुछ बूथों पर अनियमितताएं की मिलीं शिकायतें

चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि मतगणना के दौरान नियुक्त ऑब्जर्वर्स को खुद मौके पर मौजूद रहना होगा ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना को खत्म किया जा सके. इसके अलावा, 15 बूथों पर पुनर्मतदान के लिए प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेजा गया है. इन बूथों पर मतदान प्रक्रिया के दौरान कुछ अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं, जिनकी जांच के बाद यह कदम उठाया गया है. जबसे एग्जिट पोल में भाजपा की बढ़त दिख रही है, तबसे ममता ने अपनी बयानबाजी तेज कर दी है. प्रशासन का कहना है कि एनआईए का खुफिया तंत्र बंगाल में एक्टिव है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है. सुरक्षा एजेंसियां हर इनपुट को गंभीरता से लेते हुए सतर्कता बरत रही हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अशांति को समय रहते रोका जा सके.

रायगढ़ा से ग्रामीण विकास को मिला बड़ा बूस्ट

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की योजनाओं की घोषणा

ओडिशा, 1 मई. रायगड़ा के बरिजोला में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा के लिए कई बड़ी विकास योजनाओं की घोषणा की.

पीएमजीएसवाई के तहत 1700 करोड़ से 827 सड़कें

मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए बहु-आयामी पहल की शुरुआत की. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ओडिशा को 1,698 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 827 नई सड़कों की सौगात दी गई है, जो करीब 1702 किलोमीटर ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ेंगी. इसके साथ ही अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त फंड भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें.

चौहान ने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास की आधारशिला हैं. उन्होंने भरोसा दिलाया कि ओडिशा में कोई भी गरीब कच्चे मकान में नहीं रहेगा. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 630.61 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे हजारों परिवारों को पक्का घर मिलेगा. मजदूर दिवस पर मनरेगा के तहत 868.71 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की गई, जबकि जल संरक्षण और सिंचाई को मजबूत करने के लिए 30.07 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई.

जम्मू में निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरा

जम्मू, 1 मई. जम्मू में शुक्रवार को शहर के एक इलाके में बन रहे पुल का पिलर अचानक गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे चार मजदूर मलबे के नीचे दब गए. घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों और मजदूरों ने शोर मचाया और राहत कार्य शुरू किया. सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं.

चार मजदूर दबे
राहत-बचाव कार्य तेज

बचाव दल ने तेजी से मलबा हटाने का काम शुरू किया और दबे हुए मजदूरों को निकालने के प्रयास जारी हैं. कुछ मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि पिलर निर्माण के दौरान तकनीकी खामियां हो सकती हैं. साथ ही, यह भी आशंका जताई जा रही है कि सुरक्षा मानकों का ठीक से पालन नहीं किया गया. स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जिससे मजदूरों की जान खतरे में पड़ी.घटना के बाद प्रशासन ने निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है.

तृणमूल कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 01 मई. अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को विधानसभा चुनावों की मतगणना के काम के लिए केवल केंद्र सरकार और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक और सहायक के रूप में नियुक्त करने के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए डाले गए वोटों की गिनती के काम के लिए राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर कर दिया है।

देश का पहला बैरियर-रहित टोल सिस्टम शुरू

सफर होगा तेज और आसान : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 01 मई. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के सूरत-भरूच खंड पर चोरायसी टोल प्लाजा पर देश की पहली मल्टी-लेन फ्री फ्लो बैरियर- रहित टोलिंग प्रणाली शुरू करने की घोषणा की है.

गडकरी ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्रणाली है जो ऑटोमैटिक तरीके से नम्बर प्लेट की पहचान करेगी। उनका कहना था कि यह फास्टैग जैसी तकनीकों पर आधारित है, जिससे वाहन बिना रुके टोल प्लाजा पार कर सकेंगे और टोल अपने आप कट

जाएगा. उन्होंने बताया कि इस नयी व्यवस्था से यात्रा समय में कमी आएगी. टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण भी घटेगा. इसके अलावा टोल संग्रह प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी. श्री गडकरी ने कहा कि यह पहल ईज ऑफ लिविंग को बेहतर बनाने के साथ-साथ माल परिवहन को तेज और सुगम बनाकर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को भी बढ़ावा देगी. उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित हो रहे आधुनिक और तकनीक-आधारित राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया. उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य देशभर में विश्वस्तरीय, कुशल और यात्री-अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना है, और यह नयी टोलिंग प्रणाली उसी दिशा में एक बड़ा सुधार है.

आज का इतिहास

1519- पुनर्जागरण काल के महानतम चित्रकार लियोनार्डो दा विंची का निधन.
1921- भारत के दिग्गज फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक सत्यजीत रे का जन्म.
1922- भारत के पेशेवर बिलियर्ड्स खिलाड़ी विल्सन जोन्स का जन्म.
1924- नीदरलैंड ने सोवियत संघ को मान्यता देने से इनकार कर दिया था.
1933- जर्मनी में एडॉल्फ हिटलर ने ट्रेड यूनियनों (मजदूर संघों) पर प्रतिबंध लगा दिया था.

एक नजर में

डंपर ने तीन युवकों को कुचला,दो की मौत

फतेहपुर. फतेहपुर जिले में फतेहपुर-बांदा मार्ग पर स्थित मार्क पुल पर गुरुवार देर रात डंपर से कुचलकर दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रुप से घायल हो गया. हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने मारका पल पर जाम लगा दिया है। आक्रोश को देखते हुए सीओ सहित भारी फोर्स लगा दी गई है. 10 घंटे से चक्का जाम होने से आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार असोथर थाना क्षेत्र के रहने वाले तीन दोस्त शिवम सनी और बसंता एक ही बाइक से सवार होकर एक शादी समारोह में जा रहे थे कि अवैध बालू खनन में लगी तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया जिससे दो युवकों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। देर रात हुए हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मारकापुल पर दोनों शवों को रखकर चक्का जाम कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आए दिन अवैध बालू खनन में लगे वाहनों से दुर्घटना होती हैं और अब तक कई लोगों की जान भी जा चुकी है लेकिन प्रशासन अवैध बालू खनन को रोक नहीं पा रहा है जिससे यहां आए दिन घटनाएं हुआ करती है।

सीजीएचएस अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) मेरठ (उत्तर प्रदेश), की अपर निदेशक नताशा वर्मा और उनके निजी सहायक (पीए) सन्नी को गिरफ्तार कर लिया है सीबीआई ने शुक्रवार को बताया कि सुश्री वर्मा के निजी सहायक सन्नी के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि उसने एक सीजीएचएस कर्मचारी के मुरादाबाद से मेरठ में तबादले के एवज में स्वास्थ्य भवन, सीजीएचएस, मेरठ के अधिकारियों की ओर से 80,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।मामले की जानकारी मिलने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया, जिसके दौरान निजी सहायक और अपर निदेशक, दोनों आरोपी कथित तौर पर शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये स्वीकार करने के लिए सहमत हो गये। निजी सहायक को अपर निदेशक की ओर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

बलात्कार की एक जैसी परिभाषा की मांग

स्ट्रासबर्ग/ब्रसेल्स. यूरोपीय संसद ने महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सभी सदस्य देशों से बलात्कार की एक समान परिभाषा लागू करने की अपील की है। सांसदों ने कहा कि बलात्कार की पहचान में अब केवल शारीरिक बल का होना या हिंसा को आधार न बनाया जाए, बल्कि पीड़िता की सहमति न होना मुख्य मापदंड हो सांसद में पास हुई रिपोर्ट में जोर दिया गया कि सहमति का मतलब सिर्फ 'हाँ' होना है। यदि कोई महिला चुप है, विरोध नहीं कर पा रही है या स्पष्ट रूप से 'ना' नहीं कहती, तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उसकी सहमति थी। पुराने रिश्तों या पहले दी गई किसी सहमति को मौजूदा मामले में आधार नहीं बनाया जा सकता।सांसदों ने तर्क दिया कि डर, नशे, बेहोशी या मजबूरी के कारण कई बार पीड़ित विरोध करने में असमर्थ होती है। कभी-कभी सदमे के कारण शरीर सुन्न पड़ जाता है, जिसे कानून और अदालतों को समझना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों को तुरंत डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक मदद और कानूनी सलाह मिले। इसके लिए हमेशा खुले रहने वाले सहायता केंद्र बनाने की भी सिफारिश की गई है।

सारनाथ में कई देशों और राज्यों से पहुंचे श्रद्धालु

वाराणसी, 1 मई. विश्व में जारी युद्ध और व्याप्त अशांति के बीच, धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सारनाथ में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शांति का पैगाम लिए भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष के दर्शन-पूजन कर रहे हैं।

- **बुद्ध पूर्णिमा पर किए अस्थि अवशेष के दर्शन-पूजन**

भगवान बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ मूलगंध कुटी विहार परिसर और मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है. यहां फहराते पंचशील के झंडे विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. वैशाख पूर्णिमा का दिन भगवान बुद्ध के जीवन के तीन महत्वपूर्ण पड़ावों से जुड़ा है।

आज ही के दिन उनका जन्म हुआ था, आज ही उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसी तिथि को उनका महापरिनिर्वाण हुआ था।बौद्ध अनुयायी भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष के दर्शन करने के साथ ही सारनाथ के अन्य मंदिरों में भी पूजन कर रहे हैं. मूलगंध कुटी विहार में बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं. दोपहर बाद यहां धम्म सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा. इसके अतिरिक्त, कचहरी से सारनाथ तक धम्म यात्रा भी निकाली जाएगी. सायंकाल मूलगंध कुटी मंदिर को हजारों दीपकों से आलोकित किया जाएगा. सारनाथ में थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, भूटान, श्रीलंका और जापान समेत कई देशों से श्रद्धालु पहुंचे हैं. वहीं, भारत के मुंबई, दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे हैं. टूरिस्ट गाइड रोहित केसरवानी ने बताया कि इस वर्ष भूटान और थाईलैंड से सर्वाधिक पर्यटक और श्रद्धालु आए हैं।

पवित्र अस्थि अवशेष के दर्शन के साथ-साथ काशी के गंगा घाट और शहर भ्रमण की योजना लेकर ये लोग वाराणसी आते हैं. इनमें कई ऐसे समूह हैं, जो प्रतिवर्ष इसी समय यहाँ आते हैं. धम्म शिक्षण केंद्र के प्रभारी भन्ते चन्दीमा ने बताया कि महाबोधि सोसाइटी द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भोजन (प्रसाद) की भी समुचित व्यवस्था की गई है.

खेड़ा को मिली अग्रिम जमानत

- सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, 01 मई. उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को असम पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी के मामले में शुक्रवार को अग्रिम जमानत दे दी।यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज किया गया था.

खेड़ा ने श्रीमती सरमा पर एक से अधिक पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे।न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए.एस. चंद्रुरकर की पीठ ने गौहाटी उच्च न्यायालय द्वारा खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।यह फैसला शुक्रवार को जारी किया

गया। इसमें उच्चतम न्यायालय ने कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय का अवलोकन रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के उचित मूल्यांकन पर आधारित नहीं था और त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है, विशेष रूप से आरोपी पर बोझ डालने के मामले में. अदालत ने आगे कहा कि आरोप-प्रत्यारोप प्रथम दृष्टया राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रेरित लगते हैं और हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता को उचित नहीं ठहराते।

हिज्बुल्लाह के 40 ठिकाने तबाह

लगातार हमलों से हिज्बुल्लाह को भारी नुकसान

नई दिल्ली 1 मई. हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हुई इस बड़ी सैन्य कार्रवाई ने पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है. करीब 40 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें हथियार भंडार, कमांड सेंटर और रणनीतिक ठिकाने शामिल थे.

क्षेत्रीय तनाव बढ़ा
अंतराष्ट्रीय समुदाय सतर्क

इस हमले के बाद इलाके में भारी नुकसान की खबरें सामने आई हैं. सैन्य सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई सुरक्षा खतरों को कम करने और संभावित हमलों को रोकने के उद्देश्य से की गई. इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है.

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस घटनाक्रम को लेकर चिंता जताई जा रही है. संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने स्थिति पर नजर बनाए रखते हुए सभी पक्षों से शांति बनाए रखने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है. पश्चिम एशिया पहले से ही कई संघर्षों और राजनीतिक तनावों से जूझ रहा है, और इस तरह की घटनाएं स्थिति को और अधिक अस्थिर कर सकती हैं. अगर दोनों पक्षों के बीच टकराव बढ़ता है, तो इसका असर पूरे क्षेत्र और वैश्विक स्तर पर भी पड़ सकता है. सुरक्षा एजेंसियों ने संभावित खतरों को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है और संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है.

सूरत में 'नारी शक्ति वंदन' सेमिनार

महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर

अहमदाबाद 1 मई. सूरत में शुक्रवार को आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्क्लेव' के अवसर पर 'नारी शक्ति वंदन' सेमिनार आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्रीय और राज्य नेतृत्व ने महिलाओं के बढ़ते योगदान और सशक्तिकरण पर जोर दिया.

भूपेश पटेल ने इस अवसर पर कहा कि नारी शक्ति के सर्वांगीण सशक्तिकरण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगी कि महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व भूमिका निभा सकें. सम्मेलन ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाओं का बढ़ता योगदान

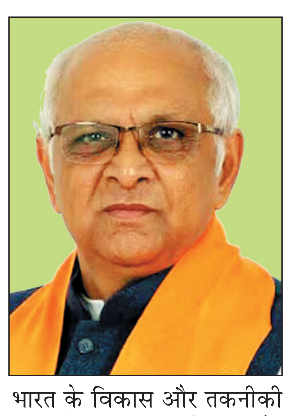

भारत के विकास और तकनीकी प्रगति में एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संस्कृति में महिलाएं सदैव प्रेरणा और शक्ति का स्रोत रही हैं, और आज देश 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व में विकास' की दिशा में अग्रसर है. सम्मेलन में टेक्सटाइल उद्योग से लेकर एआई और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं के बढ़ते योगदान को 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार करने में अहम बताया गया। सेमिनार के दौरान गार्मेंट सेक्टर में रोजगार और कौशल विकास के लिए कई अहम समझौते भी किए गए, जिनसे लगभग 1,000 महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा.

अदाणी सपत्नीक बाबा केदारनाथ के द्वार

मनाई विवाह की वर्षगांठ, लिया महादेव का आशीर्वाद

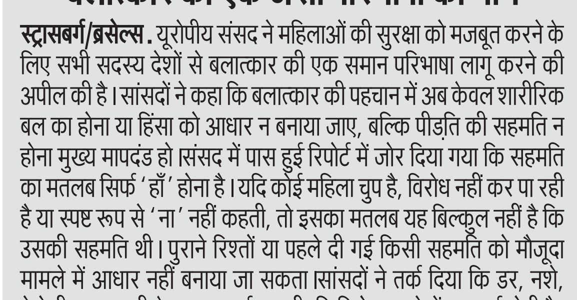

देहरादून/श्री केदारनाथ धाम, 1 मई. देश के जाने माने उद्योगपति गौतम अदाणी ने शुक्रवार को अपने विवाह की चालीसवीं वर्षगांठ उत्तराखंड में भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में पूजा अर्चना कर मनाई।

उन्होंने यहां पहुंचने के बाद एक्स पर लिखा, आज का दिन मेरे लिए विशेष है, एक ओर विश्व श्रमिक दिवस है और दूसरी ओर मेरे विवाह की 40वीं वर्षगांठ. श्री अदाणी ने लिखा कि इस पावन अवसर की सामने मैंने अपनी जीवनसंगिनी प्रीति के साथ केदारनाथ धाम में भगवान महादेव के दर्शन और आशीर्वाद से की। चार दशकों की इस यात्रा में, प्रीति का साथ मेरे लिए केवल जीवन का संबल नहीं, बल्कि हर चुनौती में एक शांत शक्ति और हर सफलता में एक विनम्र आधार रहा है, इसके लिए मैं हृदय से उनका आभारी हूं।

उद्योगपति ने आगे लिखा, आज, विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर, मैं अदाणी परिवार के अपने चार लाख से अधिक साथियों से जुड़ने के लिए एक नई पहल, 'अपनी बात, अपनों के साथ' की शुरुआत कर रहा हूं. यह मेरे लिए केवल एक औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि अदाणी परिवार में सभी से दिल से जुड़ने का एक प्रयास है. इस

शुभकामनाएं बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्रपति मुर्मु समेत शीर्ष नेताओं ने दीं शुभकामनाएं

शांति, सद्भाव और नि:स्वार्थ सेवा का संदेश अत्यन्त प्रासंगिक

नई दिल्ली 1 मई. बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समेत देश के कई शीर्ष नेताओं ने भगवान बुद्ध को नमन करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। सभी नेताओं ने कहा कि भगवान बुद्ध के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने हजारों वर्ष पहले थे और वे मानवता को शांति, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं.

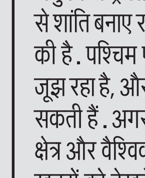

राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर वह सभी देशवासियों और विश्वभर में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हैं।

उपराष्ट्रपति ने दिया शांति का संदेश

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षाएं करुणा, अहिंसा और ज्ञान के मार्ग को प्रकाशित करती हैं। उन्होंने कहा कि शांति, सद्भाव और निस्वार्थ सेवा का संदेश आज भी अत्यंत प्रासंगिक है और यह दिन हमें दयालुता तथा सामूहिक कल्याण के लिए प्रेरित करता है.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी बधाई

शिवराज सिंह चौहान ने बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान बुद्ध के सत्य, अहिंसा और शांति के संदेश मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को उनके उपदेशों को आत्मसात कर समाज निर्माण में योगदान देना चाहिए।

आत्मचिंतन का संदेश

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि वैशाख की पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और अध्यात्म के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन त्याग, ज्ञान और करुणा की यात्रा है, जिसने मानव जीवन के गूढ़ प्रश्नों का समाधान दिया। उन्होंने आगे कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश 'अप्प दीपो भव' हमें सिखाता है कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है और अहिंसा, सहिष्णुता व समभाव जीवन का आधार हैं।

शांति, करुणा, आत्मबोध

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि महात्मा बुद्ध का जीवन और उनके विचार पूरी मानवता को शांति, करुणा और आत्मबोध की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि उनका संदेश ढाई हजार वर्ष बाद भी उतना ही प्रासंगिक है और भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

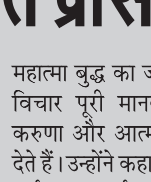

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने संदेश केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अहिंसा और करुणा की प्रतिमूर्ति भगवान बुद्ध ने विश्व को शांति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनका जीवन दर्शन सदैव प्रेरणा देता रहेगा।